an>

Title: Need to take initiative to lift the ban imposed by Iran on import of Basmati rice from India.

श्री ओम बिरला (कोटा) : उपाध्यक्ष महोदय, चावल निर्यात करने में भारत दूसरे नम्बर पर आता है। चीन के बाद भारत ही एक ऐसा देश है, जो सबसे ज्यादा चावल निर्यात करता है, जबकि सबसे ज्यादा चावल खरीदने वाला देश ईरान है। जब हिन्दुस्तान में किसान धान की फसल बोता है और बाजार में बेचने जाता है, उस समय ईरान आयात पर प्रतिबंध लगा देता है क्योंकि उसी समय ईरान में भी फसल होती है। वह अपने देश के किसानों की फसल को सुरक्षित करने के लिए ईरान आयात पर प्रतिबंध लगा देता है। इस कारण हिन्दुस्तान के किसानों की धान का मूल्य लगातार गिरता जा रहा है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि वर्ष 2014 में चावल का मूल्य 2013 रुपये क्विंटल की अपेक्षा एक हजार रुपये क्विंटल हो गया, यानी 45 परसेंट भाव कम हो गया है, जिससे राजस्थान के कोटा, बूंदी और हरियाणा, पंजाब के किसानों को धान सस्ती दर पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इस संबंध में मंत्री महोदय ने ईरान से बात की है। मेरा निवेदन है कि सरकार तुरंत प्रभाव से बात करे। ईरान आयात पर प्रतिबंध हटाये, ताकि हिन्दुस्तान के किसानों की फसल उचित मूल्य पर निर्यात करके उनके मूल्य को बढ़ाया जा सके।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, तीन महीने बाद जब ईरान आयात पर प्रतिबंध खोलेगा, तब तक किसान की धान तो बाजार में बिक चुकी होगी, लेकिन एक्सपोर्टर्स और निर्यात करने वाले ट्रेडर्स उन किसानों की फसल को सस्ता लेकर फिर महंगे दामों पर बेचेंगे। मेरी सरकार से मांग है कि किसानों को सुरक्षित करते हुए तुरंत प्रभाव से ईरान से बात करके आयात पर प्रतिबंध हटाये और किसान को सुरक्षित मूल्य मिले, इसका इंतजाम करे। धन्यवाद।

HON. DEPUTY SPEAKER:

Shri P.P. Chaudhary is permitted to associate with the issue raised by Shri Om Birla.